Modernisation of air traffic services at Delhi, Mumbai and Calcutta International Airports

639. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) when the modernisation of air traffic services at Delhi, Mumbai and Calcutta International Airports was taken up and by when the same were scheduled to be completed;

(b) the expenditure involved in the modernisation of air traffic services at these airports:

(c) the present position and the reasons for delay in the implementation of the project;

(d) the percentage by which the cost of the projects is anticipated to escalate by the time of their completion; and

(e) the measures taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI CM. IBRAHIM): (a) Air Traffic Service facilities at Delhi and Mumbai airports are being modernised. This system is being automated with the installation of state-of-the-art equipment. A satellite based Automatic Dependent Surveillance System (ADSS) has already been installed at Calcutta in December, 1996. The system site acceptance test at Delhi airport has been completed and the system is under operational trials. The system site acceptance test at Mumbai airport will be completed by October, 1997. At Calcutta installation of new Primary and Secondary mode V Radar is likely to be completed by December, 1997.

(b) the total cost of modernisation of ATS at Mumbai and Delhi airports is Rs. 423.89 crores.

(c) The reasons for the delay in the completion of the project are as under:—

(i) Abnormal rainfall during 1993 and 1994, which affected the civil construction work;

(ii) Change in the scope of the work;

(iii) Delay in replacement of components which became unserviceable during installation;

(iv) Modifications had to be carried out by the contractor to meet the specifications;

(v) Procedural delays in obtaining Customs Duty and Import Licence clearances.

(d) There has been a 20.5% increase in the cost of Delhi-Bombay modernisation project. In the case of Calcutta, there is no escalation.

(e) The project is being monitored on a weekly basis. Top management level meetings are frequently held between M/s Raytheon and Chairman, AAI. The Ministry has also taken up the matter with the US Embassy for expeditious completion of the project.

विमान क्षमता की कमी और अपर्याप्त यातायात मांग की समीक्षा

640. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री नागमणि :

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विमान क्षमता की कमी और अपर्याप्त यातायात मांग की समीक्षा की हैं,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं,

(ग) यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं,

(घ) क्या यह भी सच हैं कि ऐसी समीक्षा के अभाव में एयरलाइन्स को बहुत हानि हो रही हैं, और

(ङ) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया हैं ?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी. एम. इब्राहीम) : (क) और (ख) योजना आयोग द्वारा नौवी पंचवर्षीय योजना (1997-2002) के लिए गठित किए गए नागर विमानन सम्बन्धी कार्य दल ने नौवी योजना अवधि के दौरान यात्री और कार्गो यातायात तथा क्षमता अपेक्षाओं में वृद्धि का आकलन करने हेतु एक उप-दल बनाया। उप-दल ने अपनी रिपोर्ट में नौवी योजना अवधि में भारतीय वाहनो द्वारा अतिरिक्त क्षमता शामिल करने की सिफारिश इस प्रकार की हैं :-

भारतीय वाहकों द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त क्षमता :

दृश्य	संबृद्धि दर का पूर्वानुमान	अपेक्षित अतिरिक्त सीट क्षमता
अंतरराष्टीय यातायात के लिए:		(मिलियन)
न्यून	6.5%	3.49
अधिकतम सम्भावित	7.0%	3.67
उच्च	7.5%	3.87
अंतर्देशीय यातायात के लिए:		
न्यून	10%	12.41
अधिकतम सम्भावित	14.5%	16.37
उच्च	14%	18.79

(ग) से (ड़) इस प्रकार, अतिरिक्त विमान क्षमता शामिल करने की आवश्यकता हैं । एअर इंडिया और इंडियर एयरलाइंस की नौवी योजना अवधि में अपने बेड़ों का नवीकरण और विस्तार जारी रखने की योजनाएं हैं । एअर इंडिया ने अक्तूबर-नबम्बर, 1996 में दो बोइंग 787-400 विमान प्राप्त कर लिए हैं तथा मध्यम क्षमता लम्बी दूरी के विमान खरीदने की योजना हैं । इंडियन एयरलाइंस की भी छह 50 सीटों वाले विमान खरीदने की योजनाहैं ।

विमानों के आवागमन की कमी के कारण विमानपत्तनों को बन्द किया जाना

641. **श्री ईश दत्त यादव :**

श्री नागमणि :

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि कुछ विमानपत्तन विमानों के आवगमन की कमी के कारण बंद कर दिये गए हैं,

(ख) यदि हां, तो ऐसे विमानपत्तनों के नाम क्या हैं, और

(ग) क्या निजी एयरलाइन्स का इन विमानपत्तनों पर हवाई सेवाएं प्रदान करने का इरादा हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी. एम. इब्राहीम) : (क) जी, हां ।

(ख) बुलूरघाट, बिलासपुर, झुडप्या, चकुलिया, दीसा, डोनाकोण्डा, कूच बिहार, झांसी, झरसुगुडा, जोगबानी, कैलाशहर, कमालपुर, खंडवा, खोवई, ललितपुर,माल्दा, मुजफ्फापु, मैसूर पन्ना, पासीघाट, रक्सौल, रूपसी, सतना, शैला शोलापुर, बेल्लौर और बारगांल ऐसे हवाई अड्डे हैं ।

(घ) इन हवाई अड्डों के लिए प्रचालन हेतु किसी भी निली विमान-कम्पनी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई ।

निजी एयरलाइनों पर विमान किराया कर संबंधी बकाया

642. **श्री राम गोपाल यादव :**

श्री ईश दत्त यादव :

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ऐसी एयरलाइनों सहित जिन्होंने अपनी एजेन्सियां बंद कर दी हैं, देश में इस समय कितनी निली एयरलाइन्स कार्यरत हैं,

(ख) क्या लाखों रुपया किराया कर के रूप में निजी एयरलाइन्स बकाया हैं,

(ग) यदि हां, तो इनमें से प्रत्येक निजी एयरलाइन्स के विरुद्ध कितनी राशि बकाया हैं,

(घ) क्या सरकार उक्त कम्पनियों से बकाया किराया कर वसूल करने के लिए कोई सुदृढ़ और प्रभावी कार्रवाई कर रही हैं,

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं और कब तक कार्रवाई की जाएगी, और

(च) यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं ?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी.एस. इब्राहीम) : (क) इस समय 7 निजी अनुसूचित और 22 गैर-अनुसूचित प्रचालक हैं । 4 निजी अनुसूचित विमानकम्पनियां प्रचालन नहीं कर रही हैं ।

(ख) और (ग) जी, हां । ब्यौरा संलग्न विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए) ।

(घ) से (च) आई ए टी टी की अदायगी में चूककर्ता विमानकम्पनी के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्यवाही की जाती हैं । आई ए टी टी के बकाया राशि की वसूली के लिए विगत में विमानों को रोका भी गया हैं ।